KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

भूगोल

मानव भूगोल के मूल सिद्धान्त

अध्याय–4

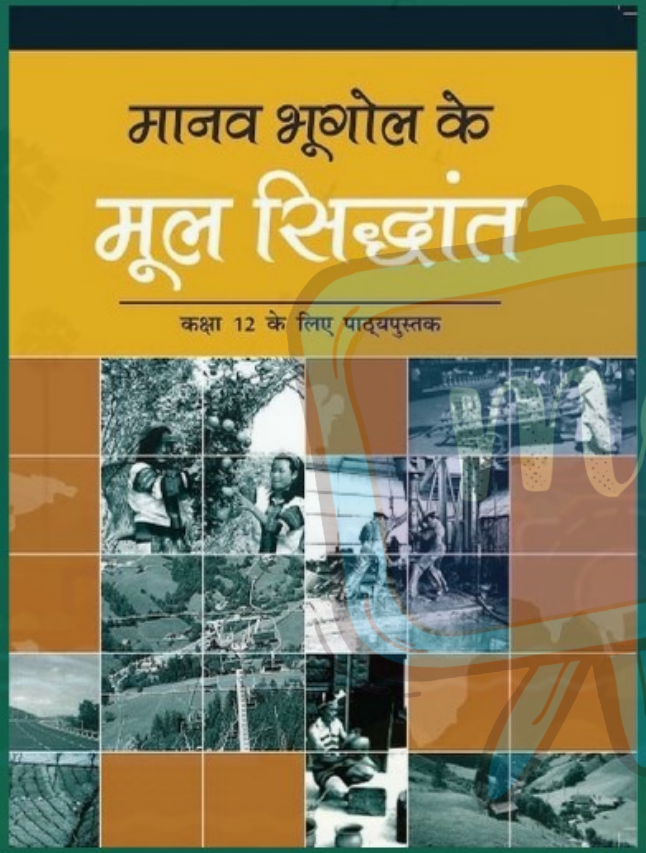
प्राथमिक क्रियाएँ

भाग - 1

पंकज वैष्णव

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



विषय सूची

आमुख v
पाठ्यपुस्तकों में पाठ्य सामग्री का पुनर्संयोजन vii

इकाई-I
अध्याय 1
मानव भूगोल
प्रकृति एवं विषय क्षेत्र 1-6

इकाई-2
अध्याय 2
विश्व जनसंख्या
वितरण, घनत्व और वृद्धि 7-12

अध्याय 3
मानव विकास 13-20

इकाई-3
अध्याय 4
प्राथमिक क्रियाएँ 21-34

अध्याय 5
द्वितीयक क्रियाएँ 35-43

अध्याय 6
तृतीयक और चतुर्थ क्रियाकलाप 44-52

अध्याय 7
परिवहन एवं संचार 53-69

अध्याय 8
अंतर्राष्ट्रीय व्यापार 70-77

परिशिष्ट 78-80
शब्दावली 81-84

© NCERT not to be republished

C-3 : जनसंख्या। संघटन ✗
C-10 : मानव बस्ती ✗

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

प्राथमिक क्रियाएँ



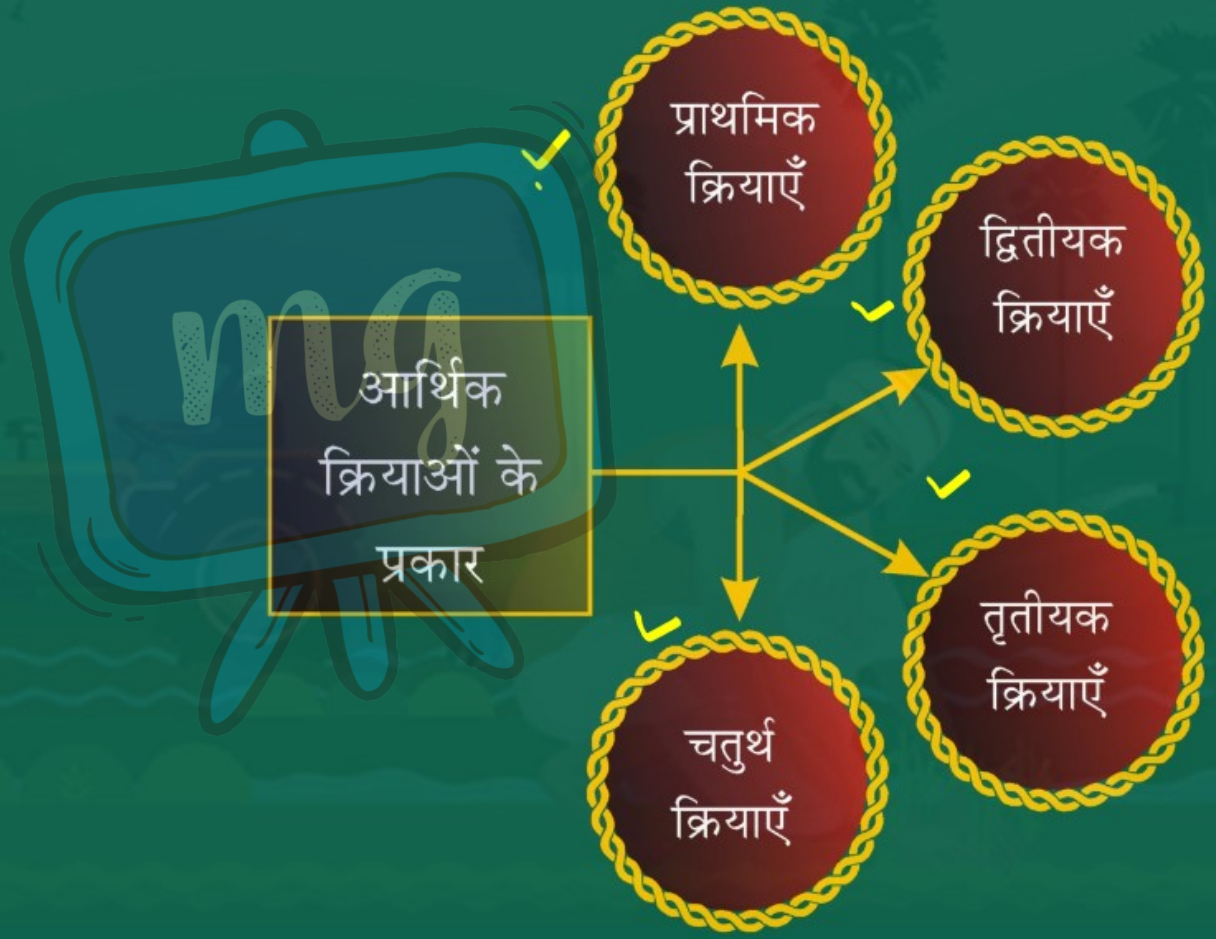
आर्थिक क्रिया

मानव के वो क्रियाकलाप जिनसे आय प्राप्त होती है, उन्हें आर्थिक क्रिया कहा जाता है।



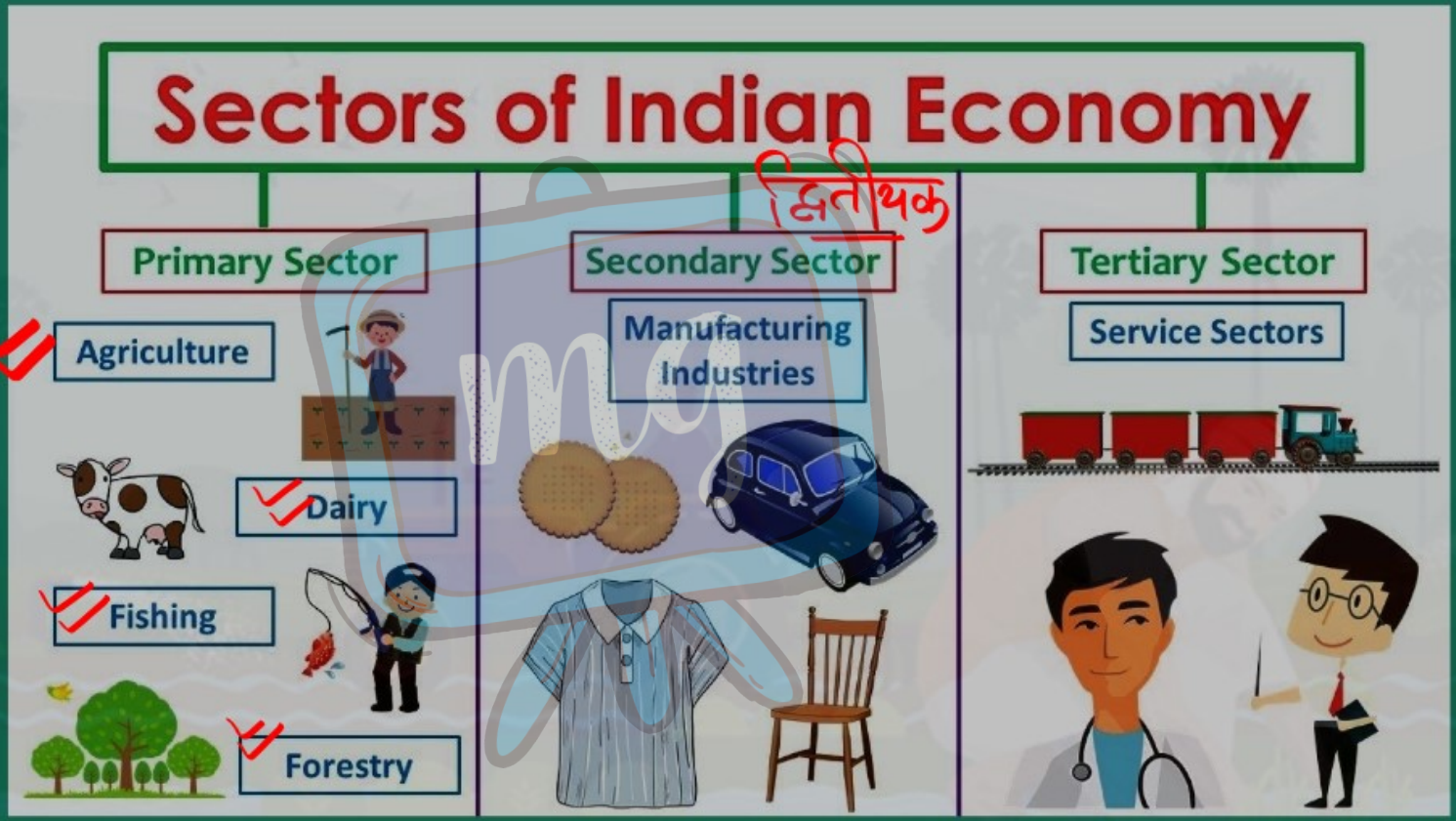
KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



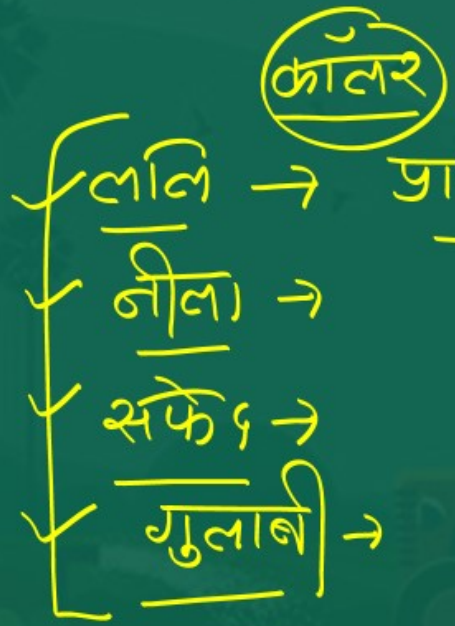
KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



प्राथमिक क्रियाएँ

- प्राथमिक क्रियाएँ प्रत्यक्ष रूप से पर्यावरण पर निर्भर है, क्योंकि ये पृथ्वी के संसाधनों जैसे - भूमि, जल, वनस्पति, भवन निर्माण सामग्री एवं खनिजों के उपयोग के विषय में बतलाती हैं।
- प्राथमिक कार्यकलाप करने वाले लोग उनका कार्य क्षेत्र घर से बाहर होने के कारण लाल कॉलर श्रमिक कहलाते हैं।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

प्रमुख प्राथमिक क्रियाएँ

- शिकार
- आखेट
- पशुचारण
- कृषि
- खनन
- वनों से लकड़ी काटना
- भोजन संग्रह
- मछली पकड़ना

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

शिकार

1 आखेट एवं भोजन संग्रह

मानव सभ्यता के आरंभिक युग में आदिमकालीन मानव अपने जीवन निर्वाह के लिए अपने समीप के वातावरण पर निर्भर रहता था।





KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

जीवन-निर्वाह के कार्य

(क) पशुओं का आखेट करना और

(ख) अपने समीप के जंगलों से खाने योग्य जंगली पौधे एवं कंद-मूल आदि को एकत्रित करना।

KOLORS
make life better

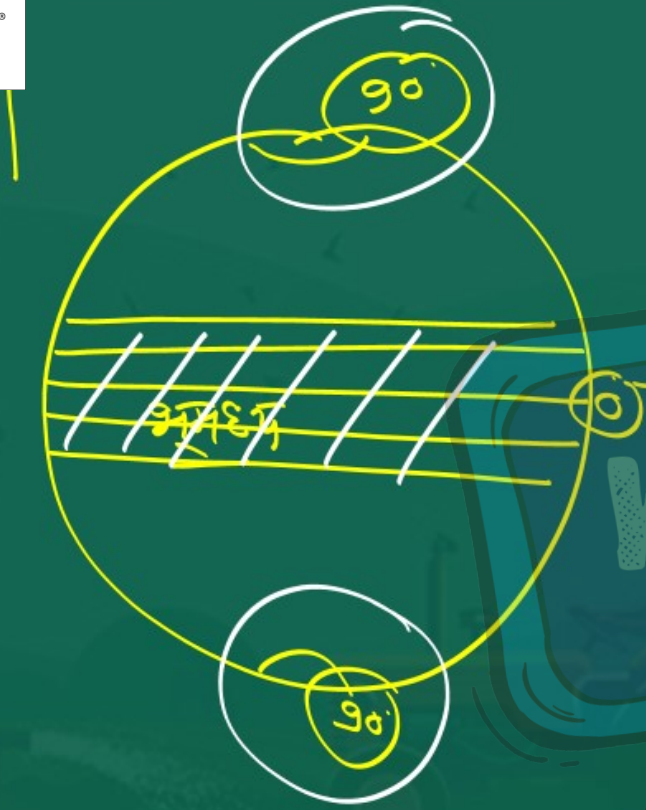
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

आखेट एवं भोजन संग्रह की विशेषताएँ

- भोजन संग्रह एवं आखेट प्राचीनतम ज्ञात आर्थिक क्रियाएँ हैं।
- अतिशीत एवं अत्यधिक गर्म प्रदेशों के रहने वाले लोग आखेट द्वारा जीवन-यापन करते थे।
- ये लोग अपने भोजन, वस्त्र एवं शरण की आवश्यकता की पूर्ति हेतु पशुओं एवं वनस्पति का संग्रह करते हैं। इस कार्य के लिए बहुत कम पूँजी एवं निम्न स्तरीय तकनीकी ज्ञान की आवश्यकता होती है।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



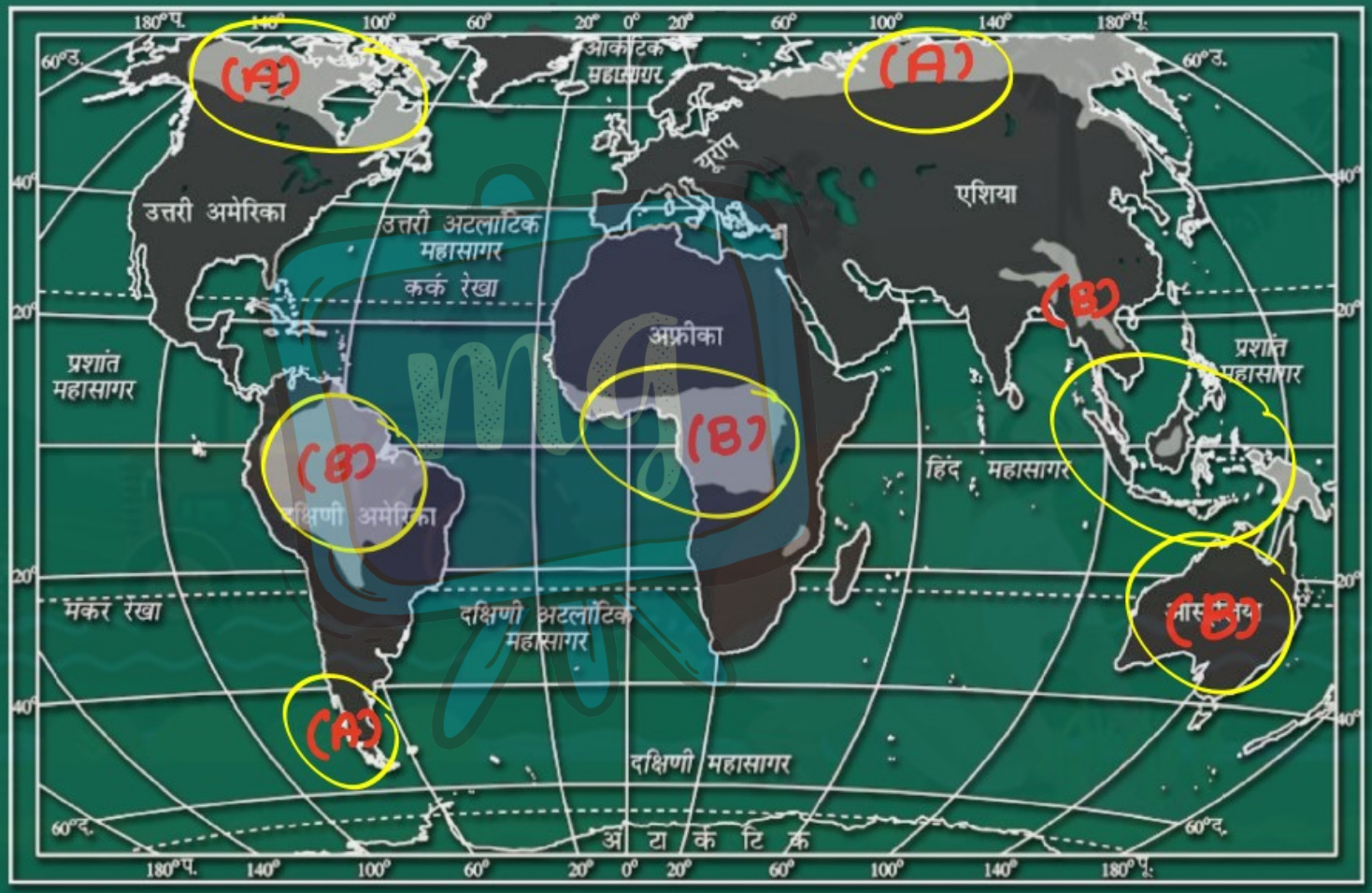
विश्व के भोजन संग्रह क्षेत्र

(A) उच्च अक्षांश के क्षेत्र- उत्तरी कनाडा, उत्तरी यूरेशिया एवं दक्षिणी चिली।

(B) निम्न अक्षांश के क्षेत्र- अमेजन बेसिन, उष्णकटिबंधीय अफ्रीका, आस्ट्रेलिया एवं दक्षिणी पूर्वी एशिया का आंतरिक प्रदेश।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

चक्कुंगम



↓

चिकल

(एक प्रकार का चबाने वाला गोंद)

↓

जेपोटा वृक्ष के दूध से

- आधुनिक समय में भोजन संग्रह के कार्य का कुछ भागों में व्यापारीकरण भी हो गया है।
- उदाहरण-
  - छाल का उपयोग - कुनैन, चमड़ा (मलेरिया)
  - पत्तियों का उपयोग- पेय पदार्थ, दवाइयाँ एवं कांतिवर्द्धक वस्तुएँ ।
  - रेशे का उपयोग - कपड़ा बनाना।
  - तने का उपयोग- रबड़, गोंद ।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

2. पशुचारण

भौगोलिक कारकों एवं तकनीकी विकास के आधार पर वर्तमान समय में पशुपालन व्यवसाय निर्वहन अथवा व्यापारिक स्तर पर किया जाता है।

पशुचारण के प्रकार

(i) चलवासी पशुचारण

(ii) वाणिज्य पशुधन पालन

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

(i) चलवासी पशुचारण



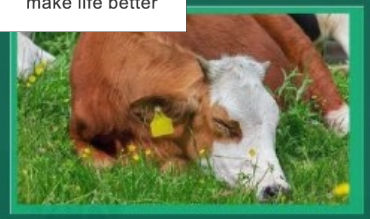
KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- चलवासी पशुचारण एक प्राचीन जीवन-निर्वाह व्यवसाय रहा है जिसमें पशुचारक अपने भोजन, वस्त्र, शरण, औजार एवं यातायात के लिए पशुओं पर ही निर्भर रहता था।
- वे अपने पालतू पशुओं के साथ पानी एवं चरागाह की उपलब्धता एवं गुणवत्ता के अनुसार एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित होते रहते थे। इन पशुचारक वर्गों के अपने-अपने निश्चित चरागाह क्षेत्र होते थे।

KOLORS
make life better

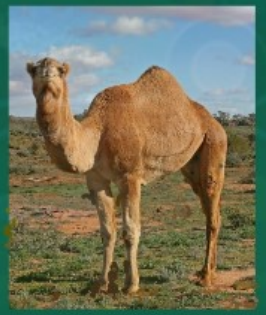
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER











प्रमुख पशु

- उष्णकटिबंधीय अफ्रीका → गाय-बैल।
- सहारा एवं एशिया के मरुस्थल → भेड़, बकरी एवं ऊँट।
- तिब्बत एवं एंडीज के पर्वतीय भाग → याॅक व लामा।
- आर्कटिक और उप उत्तरी ध्रुवीय क्षेत्र → रेंडियर।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER







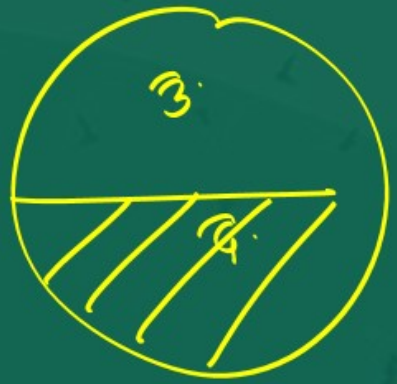
KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



चलवासी पशुचारण के प्रमुख क्षेत्र

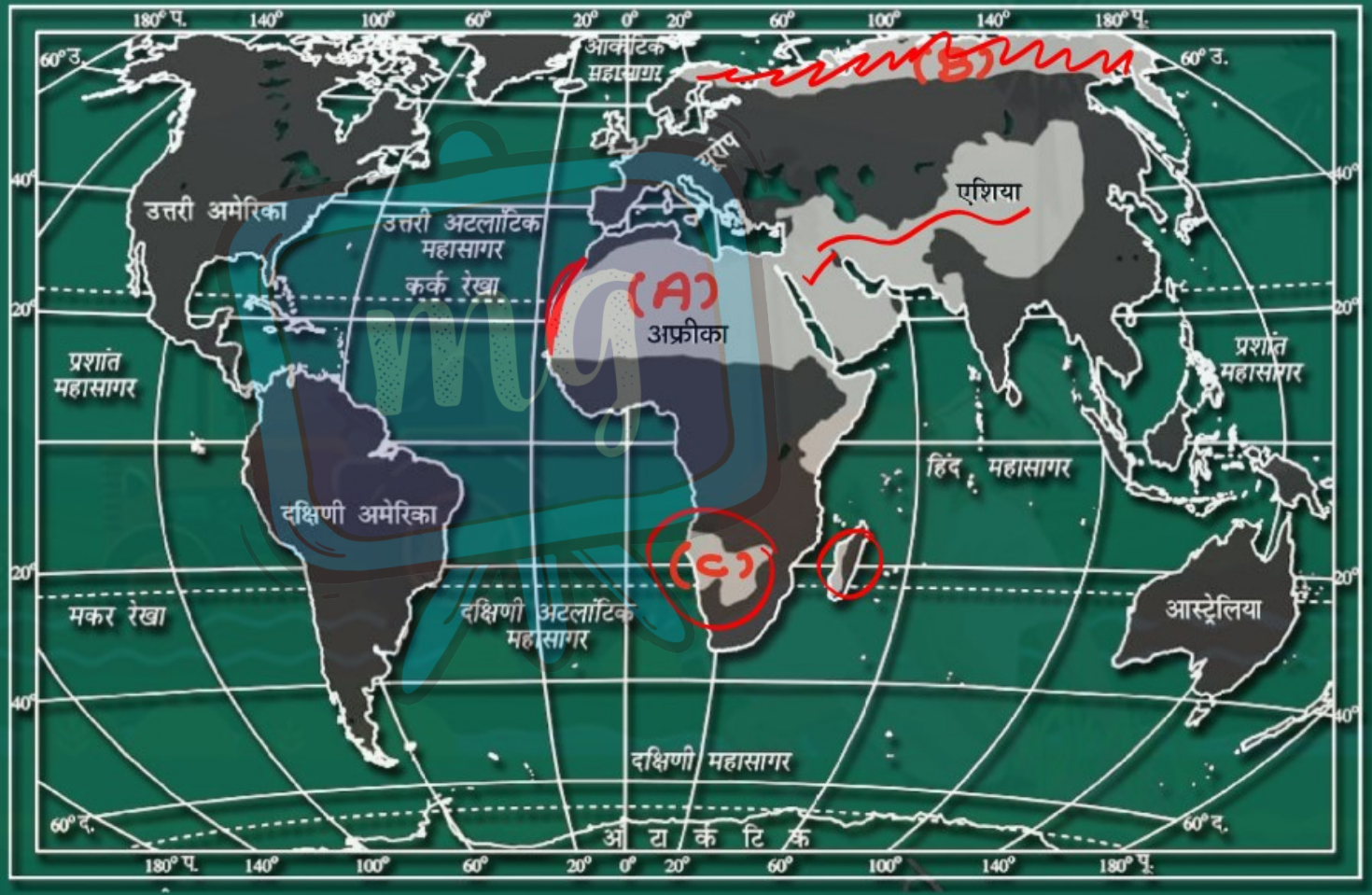
(A) उत्तरी अफ्रीका के एटलांटिक तट से अरब प्रायद्वीप होता हुआ मंगोलिया एवं मध्य चीन तक। (प्रमुख क्षेत्र)

(B) दूसरा क्षेत्र यूरोप तथा एशिया के टुंड्रा प्रदेश।

(C) तीसरा क्षेत्र दक्षिणी गोलार्द्ध में दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका एवं मेडागास्कर द्वीप।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

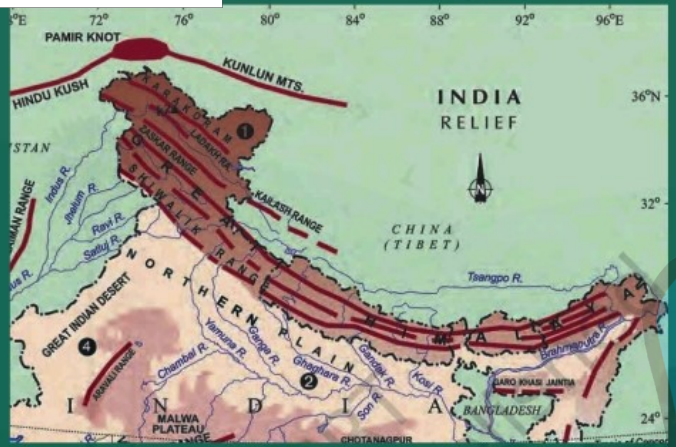


प्रमुख विशेषताएँ

- नए चरागाहों की खोज में ये पशुचारक समतल भागों एवं पवर्तीय क्षेत्रों में लंबी दूरियाँ तय करते है।
- गर्मियों में मैदानी भाग से पर्वतीय चरागाह की ओर एवं शीत में पर्वतीय भाग से मैदानी चरागाहों की ओर प्रवास करते हैं।
- इनकी इस गतिविधि को ऋतुप्रवास कहा जाता है।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

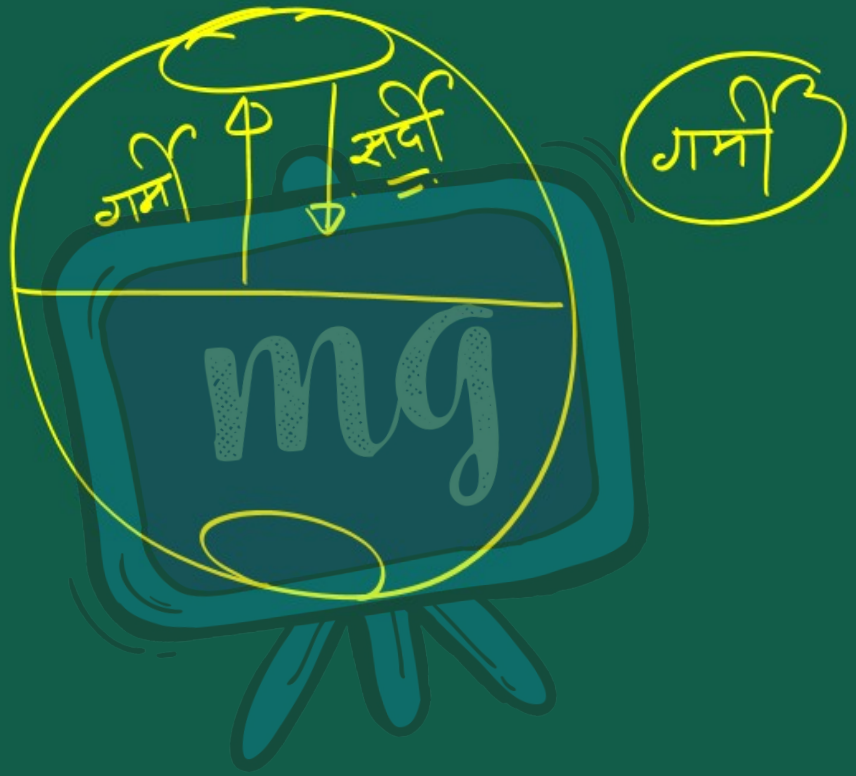




- भारत में हिमालय के पर्वतीय क्षेत्रों में गुज्जर, बकरवाल, गद्दी एवं भूटिया लोगों के समूह ग्रीष्मकाल में मैदानी क्षेत्रों से पर्वतीय क्षेत्रों में चले जाते हैं एवं शीतकाल में पर्वतीय क्षेत्रों से मैदानी क्षेत्र में आ जाते हैं।
- इसी प्रकार टुंड्रा प्रदेश में ग्रीष्म काल में दक्षिण से उत्तर की ओर एवं शीत में उत्तर से दक्षिण की ओर चलवासी पशुचारकों का पशुओं के साथ प्रवास होता है।

KOLORS
make life better

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

चलवासी पशुचारकों की संख्या में कमी के कारण

- राजनीतिक सीमाओं का अधिरोपण
- कई देशों द्वारा नई बस्तियों की योजना बनाना।